संस्कृत-2017(A) (द्वितीय पाली)

खण्ड 'क' (13 अंका:)

अपठित अवबोधनम्

Time : 3 Hrs. 15 Minutes] [Full Marks : 100

परीक्षार्थी के लिये निर्देश:- पूर्ववत् रहेंगे।

1. अधोलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखें-

अस्ति दक्षिणात्ये जनपदे महिलारोप्य नाम नगरम्। तत्रासीत् शास्त्रपारङ्गतो महादानी राजा अमर शक्तिर्नाम। तस्य त्रय: पुरमदुर्मेधस: पुत्रा: आसन्। राजा तान् शास्त्रविमुखान् वलोक्य सचिवानाहूय प्रोवाच-भो:! ममैतेषां पुत्राणां यथा बुद्धिप्रकाशो भवति तथा कोप्युपायोऽनुष्ठीयताम्'। तत्रैक: सचिव: उवाच-देव! अस्ति विष्णु शर्मा नाम ब्राह्मण: सकलशास्त्र पराङ्ग:। स नूनं एतान् द्राक् प्रबुद्धान् करिष्यति। राजा विष्णुशर्माणम् आहूय स्वपुत्रान तस्मै समर्पयामास। विष्णुशर्मा 'पञ्चतन्त्रम्' नाम ग्रन्थं रचयित्वा तान् राजकुमारान् पाठितवान्। तेऽपि तमधीत्य मासषट्केनैव नीतिशास्त्रज्ञा: जाता:। तदा प्रभृति: पञ्चतन्त्रम् बालावबोधनार्थं भूतले प्रवृतम्।

(क) एक पद में उत्तर दें- 4 × 1 = 4

(i) दक्षिणात्ये जनपदे किं नाम नगरम् अस्ति?

(ii) राज्ञ: अमरशक्ते: कति पुत्रा: आसन्?

(iii) सकलशास्त्र पारङ्गत: ब्राह्मण: क: आसीत्?

(iv) राजा कान् आहूय प्रोवाच?

(ख) पूर्ण वाक्य में उत्तर दें- (2 × 2 = 4)

(i) तत्रैक: सचिव: किमं उवाच?

(ii) विष्णुशर्मा राजकुमारान् अध्यापयितुं किं कृतवान?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें- 4 × 1 = 4

(i) 'करिष्यति' क्रिया पदस्य कर्त्तापदं किम्?

(ii) 'राजा अमरशक्ति:' इत्यत्र विशेषणंदम् किम्?

(iii) 'प्रोवाच' पदस्य समानार्थकं पदं गद्यांशात् चित्वा लिखत।

(iv) 'यथा' अव्ययपदस्य विलोमपदं गद्यांशात् लिखत।

(घ) अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकं लिखत। 1

खण्ड 'ख' (15 अंका:)

रचनात्मक कार्यम् पत्रलेखनम् च

2. निम्नलिखित पत्र के रिक्त स्थानों की पूर्ति मञ्जूषा के उचित पदों से करें- 8 × 1 = 8

छात्रावासत:
17.10.2016

प्रियमित्र (i) .....
छठ पर्वण: शुभा शंसा!

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

अत्र कुशलं ..... (ii) ..... । अस्माकं ग्रामे ..... (iii) ..... अभिज्ञानशाकुन्तल नाम संस्कृत नाटकस्य ..... (iv) ..... भविष्यति। अहम् अपि तस्मिन् अभिनयं ..... (v) .....। तं ..... (vi) ..... दृष्टुं भवान् अश्वयमागच्छन्तु इति। भवदागमनेन मम ..... (vii) ..... भविष्यति। सर्वेभ्यः अग्रजेभ्यः मम ..... (viii) ..... निवेद्यताम्।

भवतः मित्रम्
रमेशः

[मञ्जूषा-मञ्चनम्, छठपर्वावसरे, नाटकं, तत्रास्तु, सुरेश, करिष्यामि, प्राणमाञ्जलिः, उत्साहवर्द्धनं]

3. अधोलिखित में किसी एक विषय पर संस्कृत में सात वाक्यों का अनुच्छेद लिखें- 7

(i) कालिदासः (ii) वर्षा ऋतुः

(iii) अस्माकं ग्रामः (iv) संस्कृतस्य महत्त्वम्

खण्ड 'ग' (32 अंकाः)

(अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

4. निर्देशानुसार उत्तर दें-

(क) 'जगत् + नाथः' (सन्धि करें) 1

(ख) 'यद्यपि' (सन्धि विच्छेद करें) 1

(ग) 'अ + उ' के योग से कौन-सा नया वर्ण बनेगा? 1

(घ) विसर्ग संधि का एक उदाहरण दें। 1

5. (क) 'वद' किस लकार का रूप है? 1

(i) लट् (ii) लोट्

(iii) लृट् (iv) लङ्

(ख) 'गच्छति' में मूल धातु कौन सी है? 1

(i) गम् (ii) गच्छ्

(iii) या (iv) अट्

(ग) 'पा' धातु के लृट् लकार प्रथम पुरूष एकवचन का रूप लिखें। 1

6. (क) 'लतायै' किस विभक्ति का रूप है? 1

(i) तृतीया (ii) सप्तमी

(iii) चतुर्थी (iv) पञ्चमी

(ख) 'राज्ञः' किस शब्द का रूप है? 1

(i) राजा (ii) राजन्

(iii) राज (iv) राज्ञ

(ग) 'तत्' शब्द के पुल्लिंग तृतीया एकवचन का रूप लिखें। 1

7. (क) 'बालकाय मोदकं रोचते'। वाक्य के 'बालकाय' पद में कौन विभक्ति है तथा यह विभक्ति किस सूत्र से लगी है। 2

(ख) 'भीत्रार्थानाम्' हेतुः सूत्र का सोदाहरण व्याख्या करें। 2

8. (क) 'हस् + क्तवतु' से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) हसितम् (ii) हसितवान्

(iii) अहसत् (iv) हसन्

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(ख) 'पठितुम्' में कौन प्रत्यय है?
(i) तुमुन् (ii) क्त 1
(iii) क्तवतु (iv) ल्युट्

9. (क) 'लघु + तरप्' से कौन शब्द बनेगा?
(i) लघुता (ii) लघुतरम् 1
(iii) लघुत्व (iv) लघिमा

(ख) मानवः में कौन सा प्रत्यय है?
(i) त (ii) तसिल् 1
(iii) अच् (iv) अण्

10. 'अजा' में कौन-सा स्त्री प्रत्यय है?
(i) टाप् (ii) डाप् 1
(iii) चाप् (iv) ङीष्

(ख) 'नेता' का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? 1

11. (क) 'पाठलिपत्रवैभवम् का विग्रह पद लिखें। 1
(ख) 'गंगायाः समीपम्' का समस्तपद लिखें। 1
(ग) 'पीतम्बरः' में कौन सा समास है? 1
(i) कर्मधारयः (ii) तत्पुरूषः
(iii) बहुव्रीहिः (iv) द्वन्द्वः
(घ) अव्ययीभाव समास का एक उदाहरण दें। 1

12. 'प्रति' उपसर्ग से एक शब्द बनायें। 1

13. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करें- 7 × 1 = 7
(क) पर्वतों में सबसे ऊँचा हिमालय हैं।
(ख) लोग इसको पर्वतराज कहते हैं।
(ग) यह भारत का प्रहरी है।
(घ) हिमालय से ही गंगा निकलती है।
(ङ) मुझको भ्रमण अच्छा लगता है।
(च) कल मैं जयपुर जाऊँगा।
(छ) क्या तुम मेरे साथ चलोगे?
(ज) तुम एक पैर से लंगड़े हो।
(झ) इससे पूर्व मैं गोवा गया था।
(ञ) सदा सत्य बोलो।

खण्ड 'घ' (40 अंकाः)

(पठितम् अवबोधनम्)

14. अधोलिखित गद्यांशों में से किन्हीं तीन का अनुवाद करें- 3 × 2 = 6
(क) सम्प्रति पाटलिपुत्रम् अतिविशालं वर्त्तते बिहारस्य राजधानी चास्ति। अनुदिनं नगरस्य विस्तारः भवति।
(ख) ततो गृहलग्नं प्रवृद्धमग्निं दृष्टवा धूर्ता सर्वे पलायिताः। पश्चादीषदलसा अपि पलायिताः।
(ग) भारतीय जीवने प्राचीनकालतः संस्काराः महत्त्वमवधारयन्। प्राचीन संस्कृतेरभिज्ञानं संस्कारेभ्यो जायते।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(घ) मूलशङ्करोऽचन्तियत् यत् विग्रहोत्यमकिञ्चित्करः। वस्तुतः देवः प्रतिमायां नास्ति।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें- $4 \times 1 = 4$

(क) राजशेखरः कः आसीत्?

(ख) वीरेश्वरः केभ्यः इच्छाभोजनम् दापयति?

(ग) मैत्रेयी का आसीत्?

(घ) 'भीखना टोला' ग्रामः कुत्र अस्ति?

16. (क) 'व्याघ्रपथिक कथा' से क्या शिक्षा मिलती है? तीन से पाँच वाक्यों में उत्तर दें। 3

(ख) विश्व में अशान्ति के क्या कारण हैं? पठित पाठ के आधार पर तीन से पाँच वाक्यों में उत्तर दें। 3

17. अधोलिखित श्लोकों का अनुवाद करें- $2 \times 2 = 4$

(क) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितम् मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।

(ख) तत्त्वज्ञः सर्वभूतानां योगज्ञः सर्व कर्मणाम्।
उपायज्ञो मनुष्याणाम् नरः पण्डित उच्यते।।

18. अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें- $4 \times 1 = 4$

(क) अणोः अणीयान् कः अस्ति?

(ख) रामः सीतां कां नदीं दर्शयति?

(ग) के दोषाः हातव्याः?

(घ) जगद् गौरवं किं वर्तते?

19. निम्नलिखित पद्य की संप्रसंग व्याख्या करें- 3

अनिष्टादिष्टलाभेऽपि न गतिर्जायते शुभा।
यत्रास्ते विषसंसर्गोऽमृतं तदपि मृत्यवे।।

20. देवगण भारत के गीत क्यों गाते हैं? पठित-पाठ के आधार पर उत्तर तीन से पाँच वाक्यों में लिखें। 3

21. 'महत्तरां भिक्षां याचे'-

(i) यह उक्ति किस पाठ से उद्धृत है? 1

(ii) यह किसकी उक्ति है? 1

(iii) यह किससे कहा जा रहा है? 1

22. अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें- $4 \times 1 = 4$

(क) कति वेदाङ्गानि?

(ख) पाणिनिकृतं किं प्रसिद्धम?

(ग) कालसर्पात् का क्षयं गच्छति?

(घ) कस्य पुत्राः दाराश्च मृताः?

23. 'शास्त्रकाराः' पाठ के आधार पर शास्त्र की परिभाषा अपने शब्दों में लिखें। 3

उत्तरम्

1. (क) (i) महिलारोप्य (ii) त्रयः
(iii) विष्णुशर्मा (iv) सचिव।

(ख) (i) सचिव उवाचः अस्ति विष्णुशर्मा नाम ब्राह्मणः सकल शास्त्र पारङ्गतः।
(ii) विष्णु शर्मा पंचतंत्रम् नाम ग्रंथरचयित्वा तान राजकुमारान पठितवान्।

(ग) (i) सः (ii) राजा
(iii) उवाच (iv) तथा

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(घ) पंचतंत्र

2. सुरेश, मज्यनम, करिष्याभि, नाटकं छठपर्वावसरे उत्साहवर्द्धनं तत्रास्तु, प्राणमाञ्जलि:।

3. (i) **कालिदास:**- देखें 2013(A) प्रश्न सं०-3(i)

(ii) **वर्षा ऋतु**- भारतवर्षे षड्ऋतव: भवन्ति। तेषु अन्यतम: वर्षर्तु:। अस्मिन् काले जलपूरिता: नद्य: दृश्यन्ते। यत्र-तत्र मण्डूका: टर्र-टर्र इति शब्दं कुर्वन्ति। हरितानि तृणानि दृश्यन्ते सर्वत्र! सदा मेघाच्छादितम् आकाशं दृश्यते। सूर्योऽपि सदा न दृश्यते। ग्रीष्मस्य ताप: मन्दो भवति। अतिवेगेन वृष्टि: भवति:। जना: इतस्तत: बहि: न गन्तुं शक्नुवन्ति, परन्तु वर्षा-ऋतु: जीवनाधार: अस्ति। अयं ऋतु: रोमाञ्चक: भवति। कवीनाम् अयं प्रियो विषय: भवति। अस्य ऋतो: स्वसंगीतम् अपि अस्ति। अयं कुलिशदामिनीभ्यां सह आयाति। वज्रघोष: जनानां हृदयं प्रकम्पितं करोति। कविभ्य: चित्राकरेभ्यश्च ऋतुरयम् अतिरोचते।

(iii) **अस्माकं ग्राम:**- भारतवर्षस्य आत्मा ग्रामेषु निवसति। मम ग्राम: नालन्दामण्डले अस्ति। अस्य ग्रामस्य नाम रजावाँ ग्राम: अस्ति। अत्र जना: कृषिकार्यं कुर्वन्ति। मम ग्रामवासिन: सरला: सन्ति। ते सर्वे मिलित्वा एकत्वभावेन सुखपूर्वकं जीवनं यापयन्ति। अस्मिनृ ग्रामे एक: प्राथमिक: विद्यालय: अस्ति, एकम् शिवमन्दिरम् अपि अस्ति। अहम् स्वग्रामे सुखं अनुभवामि। कृषिप्रधान: अयं ग्राम:, सरलहृदयश्च अत्रत्या कर्मतत्परा: जना: निसर्गत: सुशीला ललना कोमलमतय: शिशवचच अस्मान् आह्लादयन्ति। धन्योऽयम् मम ग्राम:। अत्र कुत्रापि नगरस्य कोलाहल: न दृश्यते। शीतल:, सुरभित: स्वास्थ्यकरश्च वायु: अस्मान् आह्लादयति।

(iv) **संस्कृतस्य महत्वम्**- देखें 2015(A) द्वितीय पाली प्रश्न सं०-3(ii)

4. (क) जगन्नाथ (ख) यदि + अपि
(ग) ओ (घ) निर्मल

5. (क) (ii), (ख) (i), (ग) पास्यति।

6. (क) (iii), (ख) (ii), (ग) तया

7. (क) चतुर्थी खच्चार्थानाम प्रीयमान्।
(ख) भय धातु मानी डर लगने में पंचमी विभक्ति लगती है। स: सर्पात् विभेति।

8. (क) (ii), (ख) (i)

9. (क) (ii), (ख) (iv)

10. (क) (i), (ख) नेत्री।

11. (क) पाटलिपुत्रस्य वैभवम् (ख) उपगंगम
(ग) बहुव्रीहि (iii) (घ) यथाशक्ति

12. प्रतिक्षा

13. (क) पर्वतेषु उच्चै: हिमालय: वर्तते।
(ख) जना: इयं पर्वतराज: कथ्यन्ते।
(ग) अयं भारतस्य प्रहरी अस्ति।
(घ) हिमालयात् एवं गंगानिर्गच्छति।
(ङ) महयं भ्रमणं रोचते।
(च) श्व: अहं जयपुरं गमिष्यामि।
(छ) कि त्वं मयासह चरित्रष्यसि।
(ज) त्वं एकेन चरणेन खन्ज: असि।
(झ) अहं गोवां आगच्छम्।
(ञ) सदा सत्यं वद।

14. (क) इस समय बिहार की राजधानी पटना बहुत बड़ा है। दिन-प्रतिदिन नगर का विस्तार होता है।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(ख) जलते हुए घर को देखकर सभी धूर्त आलसी भाग गए।

(ग) भारतीय जीवन में प्राचीन काल से संस्कार का महत्व है। इससे प्राचीन संस्कृति की जानकारी मिलती है।

(घ) मूल शंकर ने सोंचा मूर्ति पर चढ़ाया हुआ प्रसाद मुसा खाता है इसका अर्थ है कि मूर्ति में देवता नहीं है।

15. (क) काव्यमीमांशा नामक ग्रंथस्य रचनाकारः आसीत्।

(ख) वीरेश्वर आलसी इच्छाभोजन दाप्यति।

(ग) मैत्रेयी भाग्यवालकस्य पत्नी आसीत्।

(घ) भीखन टोला बिहार प्रदेशे एकः ग्रामं अस्ति।

16. (क) व्याघ्रपथिक कथा में सोने के कंगन के लोभ के कारण पथिक मारा गया। इस कथा से यही शिक्षा मिलती है कि हमें लोभ नहीं करना चाहिए। लोभ हमें विनाश की ओर ले जाता है।

(ख) आज विश्व का प्रत्येक देश अशांति एवं द्वेष का शिकार है। आपस में विश्वास का अभाव ही इसका मुख्य कारण है। शस्त्रों की होड़ में मानवता विनष्ट हो रही है। महापुरुषों, विद्वानों तथा चिंतकों द्वारा परमार्थ-वृति को जागृत करके तथा सहिष्णुता, परोपकार, दया, मित्रता आदि के भावों से ही अशांति को दूर करके संसार में शांति लाई जा सकती है।

17. (क) हे सूर्य भगवान सत्य का मुख सोने के आवरण से ढँका है। इसलिए सोने का आवरण हटाओ और सत्य का मुख दिखाओ।

(ख) सभी जीवों के गूढ़ रहस्य को जानने वाले तथा सभी कर्मों के योग बताने वाले और मनुष्य के उपाय बताने वाले को पंडित कहते हैं।

18. (क) आत्मा अमो आणीयान् निहितः अस्ति।

(ख) राम सीता मन्दाकिनी नदी दर्शयति।

(ग) षड् दोषा हातव्याः। (घ) जगद् गौरव भारतं वर्तते।

19. प्रस्तुत श्लोक हमारे पाठ्य पुस्तक पीयूषम् भाग-2 के व्याघ्र पथिक कथा पाठ से लिया गया है। इसके रचनाकार नारायण पंडित है। हमें ऐसी शिक्षा देना चाहते हैं कि अनिष्ठ से लक्ष्य की प्राप्ति होने पर परिणाम ठीक नहीं होता है। विषयुक्त अमृत पीने पर मृत्यु का कारण बनता है।

20. देवगण भारत के गीत इसलिए गाते हैं कि वे लोग धन्य हैं। जिसने स्वर्ग और मोक्ष प्रदान करने योग्य साधन भूत भारत भूमि देवता के रूप में पुनः पुनः जन्म लेते हैं। देवगण गाते हुए कहते हैं कि अहो इससे सुन्दर क्या किया गया जो मनुष्य रूप में भारत भूमि श्रीहरि की सेवा के योग्य जन्म लिया अथवा भारत भूमि से स्वयं हरि प्रसन्न है। यह भूमि हमलोगों के लिए स्पृहनीय है। भारत हमेशा निर्मल और ममतामयी है जहाँ धर्म और जाति की विभिन्नता होते हुए भी सभी लोग एकता के भाव को धारण करते हुए निवास करते हैं।

21. (i) यह उक्ति कर्णस्य दानवीरता पाठ से उद्धृत है।

(ii) यह इन्द्र की उक्ति है।

(iii) कर्ण से कहा जा रहा है।

22. (क) अड़ वेदाङ्गानि। (ख) व्याकरण प्रसिद्धम्।

(ग) शिक्षा क्षयं गच्छति। (घ) व्याघ्रस्य पुत्रा दाशः च मृताः।

23. सांसारिक विषयों से आसक्ति या विरक्ति, स्थायी या कृत्रिम उपदेश, जो लोगों को दिया जाता है, उसे शास्त्र कहा जाता है। यह मनुष्यों को कर्त्तव्य और अकर्त्तव्य का ज्ञान करवाता है। इसे ज्ञान का शासक भी कहा जाता है। संप्रति सारे अध्ययन योग्य विषय ही शास्त्र माने जाते हैं। इनके अनुशीलन की मानव-जीवन में बहुत उपादेयता है। शास्त्रों को मानने वाले जीवन में उन्नति कर जाते हैं जबकि इसके विपरीत आचरण करनेवाले पतन के गर्त्त में चले जाते हैं।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com